संजीव®

संशोधित एवं परिवर्द्धित नवीन संस्करण
2022-23

राजस्थान
ATLAS

राजस्थान के भूगोल एवं अर्थव्यवस्था पर आधारित पूर्णतः रंगीन मानचित्रावली

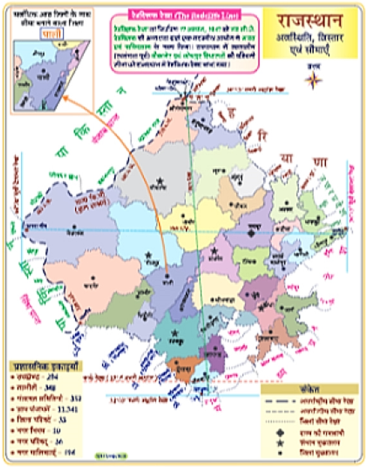

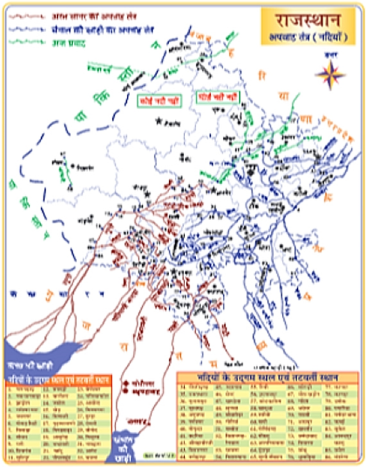

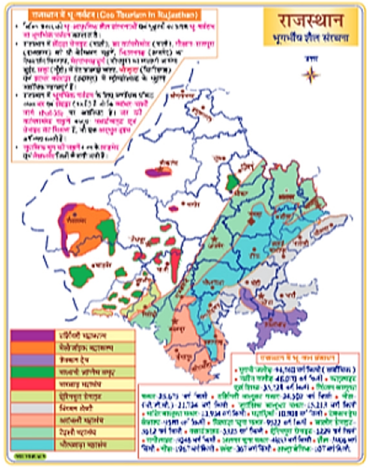

मार्गदर्शक

एस.आर. आँजणा [R.R.D.S.]
(B.D.O.)
1st Rank
शिक्षक भर्ती परीक्षा, 2004
वरिष्ठ अध्यापक, प्रधानाध्यापक (मा.शि.)
एवं R.A.S.-2012 में चयनित

मनोहर सिंह कोटड़ा [R.L.S.]
(सहायक श्रम आयुक्त)
विशेषज्ञ : राजस्थान सामान्य ज्ञान
लेखक - राजस्थान धरोहर प्राधिकरण, जयपुर
R.A.S.-2012 एवं R.A.S.-2013
में चयनित

संपादक एवं संकलनकर्ता

दीपा रत्नू (लेखिका)
M.A. (इतिहास), M.S.W. (P), B.Ed.
विशेषज्ञ : राजस्थान सामान्य ज्ञान

प्रेरणास्त्रोत :
हनुमान सिंह भाटी
(खण्डप, बाड़मेर)

संपादन सहयोग : डॉ. ओ.पी. पटेल, डॉ. दीपेश कुमार सैनी, मोहनलाल सुथार, अर्जुन देवासी, लक्षिता कँवर, दिग्विजय सिंह

संजीव प्रकाशन, जयपुर

• **प्रकाशक :**
संजीव प्रकाशन
धामाणी मार्केट,
चौड़ा रास्ता, जयपुर-03
email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
website : www.sanjivprakashan.com

• © दीपा रत्नू

❑ संस्करण : **2022-23**

• **मूल्य : ₹ 400.00**

• *लेजर टाइपसैटिंग :*
अक्षत कम्प्यूटर, जयपुर

• *मुद्रक :*
एक्सपर्ट प्रिन्टर्स, जयपुर

सादर समर्पण

पूज्य शांतिनाथ महाराज, सिरे मंदिर, जालोर

भारतवर्ष के एक प्राचीन नगर **जालोर** के निकट **कणियागिरी पर्वतांचल** में स्थित है **'सिरे मंदिर धाम'**। यह स्थान **योगीराज जलंधरनाथ महाराज की तपस्यास्थली** है। सिरेमंदिर, जालोर के **पूज्य शांतिनाथ महाराज** (1940-2012 ई.) सिद्ध संत एवं लोक कल्याणकारी महात्मा हुए।

राजस्थान सामान्य ज्ञान को समझने के लिए प्रतियोगी परीक्षार्थियों को सर्वप्रथम मानचित्रों का ज्ञान आवश्यक है। राजस्थान एटलस के संपादक और लेखक श्री मनोहर सिंह कोटड़ा एवं श्री एस.आर.आंजणा द्वारा उक्त सभी पहलुओं को मानचित्रों के माध्यम से रोचक, सरल एवं बोधगम्य तरीके से प्रस्तुत किया गया है। RAS सहित राजस्थान की सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले सभी प्रतिभागियों की सफलता में यह पुस्तक रामबाण साबित होगी।

शुभकामनाओं सहित! **अवि गर्ग, RAS**

सितम्बर, 2009 में राजस्थान एटलस का विमोचन करते मैग्सेसे पुरस्कार प्राप्त श्री अरविंद केजरीवाल (बायें) एवं लेखक मनोहरसिंह कोटड़ा (दायें)

❑ इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं—
email:sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
पता : प्रकाशन विभाग, संजीव प्रकाशन, धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर
आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।
❑ इस पुस्तक की समस्त सामग्री, मानचित्र, रेखाचित्र एवं सारणियों को किसी भी रूप में या तोड़-मरोड़कर छापना गैरकानूनी होगा। ऐसा करने पर समस्त प्रकार के हर्जाने का वहन वह व्यक्ति या फर्म करेगी।
❑ इस पुस्तक में प्रकाशित समस्त मानचित्र मापनी पर आधारित नहीं हैं (नजरी नक्शा मात्र)। इन्हें पाठक को विषय-वस्तु की रोचक एवं सरल जानकारी देने हेतु रेखाचित्रों के रूपों में प्रस्तुत किया गया है।
❑ इस पुस्तक के किसी भी अंश का पुनरुत्पादन या किसी प्रणाली के सहारे पुनर्प्राप्ति का प्रयास अथवा किसी भी तकनीक या तरीके—इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या वेब माध्यम से लेखक एवं प्रकाशक की अनुमति के बिना प्रकाशन या वितरण नहीं किया जा सकता है।
❑ हमने अपने प्रयास से इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्त्रोतों से प्राप्त किया है। इस पुस्तक में प्रकाशित किसी भी सूचना की सत्यता या त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं। ध्यान रखें कि आप उक्त शर्तें मानते हुए ही यह पुस्तक खरीद रहे हैं।
❑ सभी प्रकार के विवादों का न्याय क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

राजस्थान ATLAS : मनोहर सिंह कोटड़ा, एस.आर. आँजणा, दीपा रत्नू

विषय-सूची

क्र.सं.	अध्याय का नाम	पेज नम्बर
1.	भारत के मानचित्र में राजस्थान	4
2.	राजस्थान : सामान्य परिचय	6
3.	राजस्थान : अवस्थिति, विस्तार एवं सीमाएँ	8
4.	राजस्थान : विविध क्षेत्रीय नामकरण	10
5.	राजस्थान : प्रशासनिक स्वरूप	12
6.	राजस्थान : भौतिक स्वरूप	14
7.	थार का मरुस्थल	16
8.	राजस्थान : भूगर्भिक शैल संरचना	18
9.	अरावली पर्वतमाला	20
10.	राजस्थान : पर्वत, पठार एवं पहाड़ियाँ	22
11.	राजस्थान : जलवायु	24
12.	राजस्थान : जलवायु प्रदेश (कोपेन के अनुसार)	26
13.	राजस्थान : जलवायु प्रदेश (थार्नथ्वेट एवं ट्रिवार्था के अनुसार)	28
14.	राजस्थान : मानसून एवं वर्षा	30
15.	राजस्थान : मृदा संसाधन (मिट्टियाँ)	32
16.	भारत के मानचित्र में राजस्थान का अपवाह तंत्र	34
17.	राजस्थान : अपवाह तंत्र (नदियाँ)	36
18.	राजस्थान : अरब सागरीय अपवाह तंत्र	38
19.	राजस्थान : बंगाल की खाड़ी का अपवाह तंत्र	40
20.	राजस्थान : झीलें	42
21.	उदयपुर नगर एवं समीपवर्ती क्षेत्र में जल संरक्षण	44
22.	राजस्थान : वन सम्पदा (प्राकृतिक वनस्पति)	46
23.	राजस्थान : वन्य जीव संरक्षण	48
24.	राजस्थान : कृषि (खाद्यान्न फसलें)	50
25.	राजस्थान : कृषि (दलहन व तिलहन फसलें)	52
26.	राजस्थान : कृषि (बागवानी एवं अन्य फसलें)	54
27.	राजस्थान के कृषि जलवायु प्रदेश	56
28.	राजस्थान : सिंचाई के साधन	58
29.	राजस्थान : बहुउद्देश्यीय सिंचाई परियोजनाएँ	60
30.	राजस्थान : वृहद् सिंचाई परियोजनाएँ	62
31.	इंदिरा गाँधी नहर परियोजना	64
32.	राजस्थान : मध्यम एवं लघु सिंचाई परियोजनाएँ	66
33.	राजस्थान : पेयजल परियोजनाएँ	68
34.	राजस्थान : पशुधन (गौवंश व भैंस)	70
35.	राजस्थान : पशुधन (भेड़ एवं बकरी)	72
36.	राजस्थान : पशुधन (ऊँट, अश्व एवं अन्य पशुधन)	74
37.	राजस्थान : धात्विक खनिज	76
38.	राजस्थान : अधात्विक खनिज	78
39.	राजस्थान : इमारती पत्थर एवं विविध संगमरमर	80
40.	राजस्थान : ईंधन खनिज	82
41.	राजस्थान : रत्न खनिज	84
42.	राजस्थान : प्रमुख उद्योग	86
43.	राजस्थान : ऊर्जा (विद्युत) परिदृश्य	88
44.	राजस्थान : सड़क परिवहन	90
45.	राजस्थान : राष्ट्रीय राजमार्ग (नवीन क्रमांक)	92
46.	राजस्थान : रेल परिवहन	94
47.	राजस्थान : वायु परिवहन एवं पाइप लाइन परिवहन	96
48.	राजस्थान के प्रमुख पर्यटन स्थल	98
49.	राजस्थान : शैक्षिक परिदृश्य	100
50.	राजस्थान : उच्च शिक्षा (विश्वविद्यालय)	102
51.	राजस्थान : जनसंख्या वितरण (2011)	104
52.	राजस्थान : जनसंख्या घनत्व (2011)	106
53.	राजस्थान : लिंगानुपात (2011)	108
54.	राजस्थान : साक्षरता (2011)	110
55.	राजस्थान : पुरुष साक्षरता (2011)	112
56.	राजस्थान : महिला साक्षरता (2011)	114
57.	राजस्थान : जनगणना 2011—लक्खी नगर	116
58.	राजस्थान : जिलेवार अनुसूचित जनजाति जनसंख्या	118
59.	राजस्थान : सार संग्रह	120-128
1.	राजस्थान का नवीनतम प्रशासनिक स्वरूप : एक नज़र में (1 अक्टूबर, 2022 की स्थिति)	120
2.	राजस्थान में प्रथम	121
3.	राजस्थान के महत्त्वपूर्ण व्यक्तियों के उपनाम	121
4.	राजस्थान के प्रमुख नगरों के उपनाम	121
5.	राजस्थान के राजवंश एवं उनकी प्रमुख रियासतें	121
6.	राजस्थान के राज्यपाल	122
7.	राजस्थान विधानसभा	122
8.	राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष (स्पीकर)	123
9.	राजस्थान विधानसभा के उपाध्यक्ष	123
10.	राजस्थान विधानसभा में प्रतिपक्ष दल के नेता	123
11.	राजस्थान के मुख्यमंत्री	124
12.	राजस्थान के राज्य प्रतीक	125
13.	राजस्थान में नगरीय स्वशासन	125
14.	राजस्थान के नगर निकाय का वर्गीकरण : नवीनतम स्थिति	126
15.	राजस्थान में पंचायती राजव्यवस्था (त्रिस्तरीय)	127
16.	राजस्थान में जिला मुख्यालयों की अवस्थिति एवं क्रम	128

1. भारत के मानचित्र में राजस्थान

- राजस्थान भारत के उत्तर-पश्चिमी भाग में अवस्थित देश का वृहद्तम राज्य है। भारत के कुल क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग कि.मी. में से 3,42,239.74 वर्ग कि.मी. क्षेत्रफल राजस्थान राज्य के अन्तर्गत आता है जो कि देश के कुल क्षेत्रफल का 10.41% है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान विश्व के कई देशों से बड़ा है। यह प्रदेश इजराइल से 17 गुना, श्रीलंका से 5 गुना, इंग्लैण्ड से दुगुना, जापान के लगभग बराबर तथा नॉर्वे, पोलैण्ड, इटली इत्यादि देशों से अधिक क्षेत्रीय विस्तार (क्षेत्रफल) रखता है।
- भारत के मुख्य भू-भाग का अक्षांशीय विस्तार 8°4′ उत्तरी अक्षांश से 37°6′ उत्तरी अक्षांश एवं देशान्तरीय विस्तार 68°7′ पूर्वी देशान्तर से 97°25′ पूर्वी देशान्तर के मध्य है। इसमें राजस्थान राज्य 23°03′ उत्तरी अक्षांश से 30°12′ उत्तरी अक्षांश एवं 69°30′ पूर्वी देशान्तर से 78°17′ पूर्वी देशान्तर के मध्य विस्तृत है।
- कर्क रेखा (Line of Cancer) (23½° उत्तरी अक्षांश रेखा), राजस्थान के सुदूर दक्षिणी भाग में बाँसवाड़ा (सर्वाधिक लम्बाई) एवं डूँगरपुर जिलों से गुजरती है, अत: राज्य का अधिकांश भाग 'शीतोष्ण कटिबंध' के अन्तर्गत आता है।
- राजस्थान राज्य का सम्पूर्ण भू-भाग भारत के तीन भौतिक विभागों में सम्मिलित है। राज्य का अधिकांश भू-भाग थार का मरुस्थल नामक भौतिक विभाग के अन्तर्गत आता है। इसमें राज्य का उत्तर एवं पश्चिमी भाग सम्मिलित है। राज्य का पूर्वी भाग भारत के उत्तरी मैदान नामक भौतिक विभाग के अन्तर्गत एवं अरावली पर्वतमाला सहित दक्षिणी-पूर्वी भाग भारत के प्रायद्वीपीय पठार नामक भौतिक विभाग के अन्तर्गत सम्मिलित है।
- भारत का एकमात्र उष्ण मरुस्थल 'थार का मरुस्थल' राजस्थान के उत्तरी एवं पश्चिमी भागों में विस्तृत है। यह मरुस्थल 'ग्रेट अफ्रीकन पैलियोजॉइक मरुस्थल' का सबसे पूर्वी भाग है।
- अरावली, जो कि विश्व की सबसे प्राचीन वलित पर्वतमाला है, का सबसे अधिक विस्तार (550 किमी.) राजस्थान में मिलता है। वर्तमान में यह पर्वतमाला अपघर्षित एवं अवशिष्ट अवस्था में है।
- भारत में हिमालय पर्वतमाला एवं दक्षिण के पठार के मध्य पश्चिम भारत की सर्वोच्च पर्वत चोटी गुरुशिखर (1722 मी.) अरावली पर्वतमाला के आबू पर्वत (सिरोही) पर स्थित है। इतिहासकार कर्नल टॉड द्वारा इसे 'संतों का शिखर' कहा गया है।
- राजस्थान का निकटतम समुद्री भाग कच्छ की खाड़ी (अरब सागर) है, जो राज्य की सीमा से 225 कि.मी. की हवाई दूरी पर है। राज्य में समुद्र के सर्वाधिक निकट स्थित जिले बाड़मेर, जालोर, बाँसवाड़ा एवं डूँगरपुर हैं।
- राजस्थान का सबसे निकट स्थित बंदरगाह दीनदयाल पोर्ट, कांडला (कच्छ जिला, गुजरात) है, जो कच्छ की खाड़ी के उत्तरी किनारे अवस्थित है। इस बंदरगाह का निर्माण स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् 1950 में कराची बन्दरगाह के पाकिस्तान में चले जाने के उपरांत किया गया है। राजस्थान राज्य का उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र कांडला बंदरगाह के एवं दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र मुंबई बंदरगाह के पृष्ठ प्रदेश में आता है।
- राजस्थान की सीमा (कुल लम्बाई–5920 कि.मी.) भारत के पाँच राज्यों पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश एवं गुजरात राज्यों से लगती है। इन पड़ौसी राज्यों में गुजरात एकमात्र समुद्री तट वाला राज्य है।
- राजस्थान की 1070 किमी. लम्बी उत्तरी-पश्चिमी सीमा (रेडक्लिफ रेखा) पाकिस्तान के साथ लगती है।
- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR–National Capital Region) में राजस्थान के अलवर एवं भरतपुर जिलों को क्रमशः 1986 एवं 2013 में सम्मिलित किया गया है। एन.सी.आर. के काउंटर मैग्नेट सिटी के रूप में राजस्थान के जयपुर एवं कोटा नगरों की पहचान की गयी है।
- राजस्थान की राजधानी जयपुर, देश का 10वाँ सबसे बड़ा नगर है। मुंबई, दिल्ली, बंगलुरू, हैदराबाद, अहमदाबाद, चेन्नई, कोलकाता, सूरत एवं पुणे नगरों की जनसंख्या जयपुर से अधिक है। (जनगणना-2011)
- विंध्याचल पर्वतमाला राजस्थान के चित्तौड़गढ़ से प्रारंभ होकर बिहार के सासाराम तक विस्तृत है।
- क्रिटेशस काल के दौरान हुए ज्वालामुखी लावा प्रवाह से दक्कन के पठार का निर्माण हुआ। इस पठार का उत्तरी भाग राजस्थान के दक्षिणी पूर्वी भाग में हाड़ौती के पठार के रूप में विस्तृत है।
- टेथिस सागर के अवशेष के रूप में भारत में पायी जाने वाली सभी लवणीय झीलें (सांभर, डीडवाना, डेगाना, लूणकरणसर, पचपदरा इत्यादि) राजस्थान में स्थित हैं। इन लवणीय झीलों से नमक का उत्पादन किया जाता है।
- आबू पर्वत (सिरोही) पर कई दुर्लभ औषधीय महत्त्व के पादप एवं वनस्पतियाँ पायी जाती है। 'आबू एन्सिस डिकिल्पटेरा' नामक वनस्पति पूरे भारत में केवल यहीं पर मिलती है।
- भरतपुर स्थित केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (घना पक्षी विहार) भारत में साइबेरियन सारस एवं अन्य प्रवासी पक्षियों की एकमात्र विश्वप्रसिद्ध शरणस्थली है। इस क्षेत्र को यूनेस्को प्राकृतिक विश्व धरोहर सूची में सम्मिलित किया गया है। (1985 ई.)
- राजस्थान के पश्चिमी भाग में स्थित बाड़मेर-साँचोर हाइड्रोकार्बन बेसिन से भारत के एक-चौथाई पेट्रोलियम भण्डार प्राप्त हुए हैं।
- चम्बल नदी राजस्थान एवं मध्य प्रदेश की 241 कि.मी. लम्बी प्राकृतिक सीमा बनाती है। यह भारत की सबसे लम्बी नदी जल सीमा रेखा है।
- भारत में मीठे पानी (स्वच्छ जल) की सबसे बड़ी कृत्रिम झील जयसमन्द राजस्थान के उदयपुर जिले में अवस्थित है।
- देश की कुल जनसंख्या में राजस्थान का अंश 5.67% है। जनगणना-2011 के अनुसार जनसंख्या की दृष्टि से राज्य का देश में आठवाँ स्थान है, राजस्थान से अधिक जनसंख्या वाले राज्य क्रमशः उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल, आन्ध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश व तमिलनाडु हैं।
- तेलंगाना राज्य के गठन (2 जून, 2014) के पश्चात् जनसंख्या की दृष्टि से राजस्थान राज्य का देश में सातवाँ स्थान हो गया है।

भारत के मानचित्र में राजस्थान

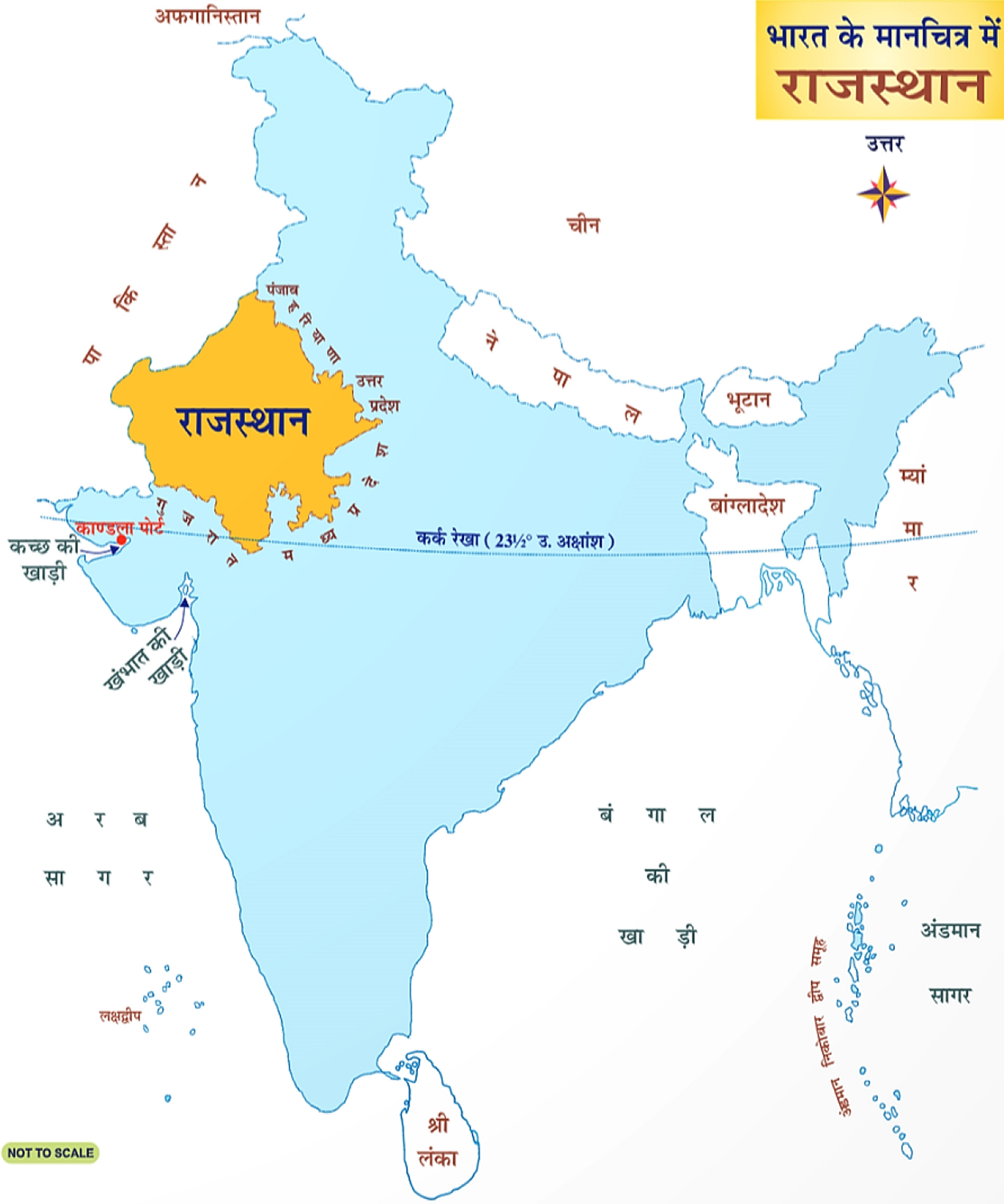

राजस्थान का देश में प्रथम स्थान (2021-22)

❖ क्षेत्रफल ❖ झीलों से नमक उत्पादन ❖ फसल उत्पादन—कुल तिलहन, कुल दलहन, बाजरा, मोठ, सरसों, धनिया, जीरा, मेथी, ईसबगोल, मेहंदी ❖ अन्त:प्रवाही क्षेत्र ❖ पशुधन संख्या—ऊँट, बकरी, गधा ❖ खनिज उत्पादन—सीसा, जस्ता, चाँदी, जिप्सम, टंगस्टन, एस्बेस्टॉस, रॉक फॉस्फेट, फेल्सपार, फ्लोराइट, संगमरमर, सोप स्टोन, गार्नेट, पन्ना, कैडमियम, वोलेस्टोनाइट, सेलेनाइट, मुल्तानी मिट्टी, लाल गेरू ❖ कृषि जोत का औसत आकार ❖ सौर ऊर्जा उत्पादन की संभाव्य क्षमता

2. राजस्थान : सामान्य परिचय

- ब्रिटिश शासनकाल का **'राजपूताना'** क्षेत्र स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् **'राजस्थान'** (शाब्दिक अर्थ : राजाओं का स्थान) कहलाया। **भारतीय इतिहास में 7वीं-12वीं सदी** तक का काल **'राजपूत काल'** कहलाता है।
- राजस्थान को आदिकाल से आज तक **मरुकान्तर, मरुधरा, मरुदेश, मरुवार, रायथान, राजपूताना, रजवाड़ा, राजस्थान** इत्यादि नामों से जाना जाता रहा है। वाल्मीकिकृत **रामायण** महाकाव्य में इस प्रदेश के लिए **'मरुकान्तर'** शब्द का प्रयोग हुआ है।
- **'राजस्थान'** शब्द का प्राचीनतम ज्ञात स्रोत **बसंतगढ़ (सिरोही) का शिलालेख** है, जिसमें **'राजस्थानीयादित्य'** शब्द उत्कीर्ण है।
- **'मुहणोत नैणसी री ख्यात'** एवं **'राजरूपक'** नामक ग्रंथों में भी **'राजस्थान'** शब्द का उल्लेख हुआ है।
- **राजपूत काल** एवं **मध्यकाल** में यहाँ पर राजपूत राजाओं ने शासन किया, अत: भारतीय इतिहास में यह क्षेत्र **'राजपूताना'** कहलाया। **'राजपूताना'** शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग **1800 ई.** में **जॉर्ज थॉमस** ने किया था। अंग्रेजी शासन काल में यह क्षेत्र **'राजपूताना'** के नाम से जाना जाता था।
- प्रसिद्ध अंग्रेज इतिहासकार **कर्नल जेम्स टॉड** ने **1829 ई.** में प्रकाशित अपनी पुस्तक **'एनाल्स एण्ड एण्टीक्विटीज ऑफ राजस्थान'** (सेण्ट्रल एण्ड वेस्टर्न राजपूत स्टेट्स ऑफ इंडिया) में इस प्रदेश के लिए तीन शब्दों **'रजवाड़ा', 'रायथान'** एवं **'राजस्थान'** का प्रयोग किया।
- स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् **एकीकरण** की प्रक्रिया में **25 मार्च, 1948** को गठित **'पूर्व राजस्थान संघ'** में पहली बार **'राजस्थान'** शब्द का प्रयोग हुआ। **26 जनवरी, 1950** को इस प्रदेश का नाम विधिवत् रूप से **'राजस्थान'** रखा गया।
- स्वतंत्रता प्राप्ति के समय राजस्थान में **19 देशी रियासतें (उदयपुर, जोधपुर, जयपुर, कोटा, बूँदी, बीकानेर, जैसलमेर, सिरोही, बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, प्रतापगढ़, शाहपुरा, किशनगढ़, टोंक, भरतपुर, धौलपुर, झालावाड़, अलवर एवं करौली), 3 ठिकाने (लावा, नीमराणा, कुशलगढ़) एवं अजमेर-मेरवाड़ा** केन्द्र शासित प्रदेश थे। इन सबके एकीकरण के पश्चात् **1 नवम्बर, 1956** को **राजस्थान का वर्तमान स्वरूप** सामने आया।
- एकीकरण के **चौथे चरण** में **30 मार्च, 1949** को राज्य की चार वृहद् रियासतों—**जोधपुर, जयपुर, बीकानेर** एवं **जैसलमेर** के विलय से एकीकरण का अधिकांश कार्य पूर्ण हुआ। इस इकाई का नाम **'वृहद् राजस्थान'** रखा गया। एकीकरण का अधिकांश कार्य **30 मार्च, 1949** को पूरा होने पर इसे **राजस्थान के गठन की तिथि** माना गया। इसी उपलक्ष में प्रतिवर्ष **30 मार्च** को **'राजस्थान दिवस'** मनाया जाता है।
- राजस्थान में सर्वप्रथम वर्ष **1949** में **24** जिलों का निर्माण हुआ। **26 जनवरी 1950** को सिरोही रियासत (आबू-देलवाड़ा को छोड़कर) का राजस्थान में विलय करके **सिरोही** को राज्य का **25वाँ** जिला बनाया गया।
- **1 नवम्बर, 1956** को **'अजमेर मेरवाड़ा'** ('सी' श्रेणी का एक तत्कालीन राज्य) का राजस्थान में विलय करके **अजमेर** को राजस्थान का **26वाँ जिला** बनाया गया। जयपुर जिले की किशनगढ़, अरांई, सरवाड़ एवं रूपनगढ़ तहसीलों को भी नवगठित अजमेर जिले में सम्मिलित किया गया।
- **15 अप्रैल, 1982** को भरतपुर जिले की चार तहसीलों धौलपुर, राजाखेड़ा, बाड़ी एवं बसेड़ी को अलग करके राज्य का **27वाँ जिला धौलपुर** गठित किया गया।
- **10 अप्रेल, 1991** को कोटा जिले की सात तहसीलों बाराँ, मांगरोल, छबड़ा, अटरू, छीपाबड़ौद, शाहबाद एवं किशनगंज को अलग करके राज्य का **28वाँ जिला बाराँ** बनाया गया।
- **10 अप्रेल, 1991** को जयपुर जिले की दौसा, बसवा, लालसोट एवं सिकराय चार तहसीलों को अलग करके राज्य का **29वाँ जिला दौसा** बनाया गया। बाद में 15 अगस्त, 1992 को सवाई माधोपुर जिले की महुआ तहसील को भी दौसा जिले में सम्मिलित किया गया।
- **10 अप्रेल, 1991** को उदयपुर जिले की सात तहसीलों राजसमन्द, नाथद्वारा, रेलमगरा, कुंभलगढ़, आमेट, भीम एवं देवगढ़ को लेकर राज्य का **30वाँ जिला राजसमन्द** बनाया गया।
- **12 जुलाई, 1994** को श्रीगंगानगर जिले से हनुमानगढ़, पीलीबंगा, टिब्बी, संगरिया, नोहर, भादरा एवं रावतसर सात तहसीलों को अलग करके **हनुमानगढ़** को राज्य का **31वाँ जिला** बनाया गया।
- **19 जुलाई, 1997** को सवाई माधोपुर जिले की पाँच तहसीलों करौली, सपोटरा, हिण्डौन, टोडाभीम एवं नादौती को अलग करके राज्य के **32वें जिले करौली** का गठन किया गया।
- **26 जनवरी, 2008** को चित्तौड़गढ़ जिले से प्रतापगढ़, छोटी सादड़ी एवं अरनोद तहसीलें, उदयपुर जिले की धरियावद तहसील एवं बाँसवाड़ा जिले की घाटोल तहसील में से पीपलखूँट को अलग तहसील बनाकर राज्य के नवगठित **33वें जिले प्रतापगढ़** में सम्मिलित किया गया।

राजस्थान के जिले एवं उनका क्षेत्रफल : एक नज़र में

क्र. सं.	जिले का नाम	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)	क्र. सं.	जिले का नाम	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)	क्र. सं.	जिले का नाम	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)
1.	**जैसलमेर**	**38,401**	12.	भीलवाड़ा	10,455	23.	करौली	5,524
2.	**बीकानेर**	**30,249**	13.	हनुमानगढ़	9,656	24.	कोटा	5,217
3.	बाड़मेर	28,387	14.	अजमेर	8,481	25.	सिरोही	5,136
4.	जोधपुर	22,850	15.	अलवर	8,380	26.	भरतपुर	5,066
5.	नागौर	17,718	16.	चित्तौड़गढ़	7,822	27.	राजसमंद	4,655
6.	चूरू	13,835	17.	सीकर	7,732	28.	बाँसवाड़ा	4,522
7.	पाली	12,387	18.	टोंक	7,194	29.	सवाई माधोपुर	4,498
8.	उदयपुर	11,724	19.	बाराँ	6,992	30.	प्रतापगढ़	4,449
9.	जयपुर	11,143	20.	झालावाड़	6,219	31.	डूँगरपुर	3,770
10.	श्रीगंगानगर	10,978	21.	झुंझुनूँ	5,928	32.	**दौसा**	**3,432**
11.	जालोर	10,640	22.	बूँदी	5,776	33.	**धौलपुर**	**3,033**

नोट— श्रीडूँगरगढ़ तहसील (क्षेत्रफल 2984 वर्ग किमी) को **01 अप्रेल, 2001** को **चूरू** जिले से **बीकानेर** में स्थानान्तरित करने पर **बीकानेर जिले का क्षेत्रफल की दृष्टि से राज्य में दूसरा स्थान** हो गया है।

राजस्थान
सामान्य परिचय

राज्य कवि : सूर्यमल्ल मीसण

राज्य पक्षी : गोडावण

राज्य खेल : बास्केटबॉल

राज्य पालतू पशु : ऊँट

राज्य पुष्प : रोहिड़ा

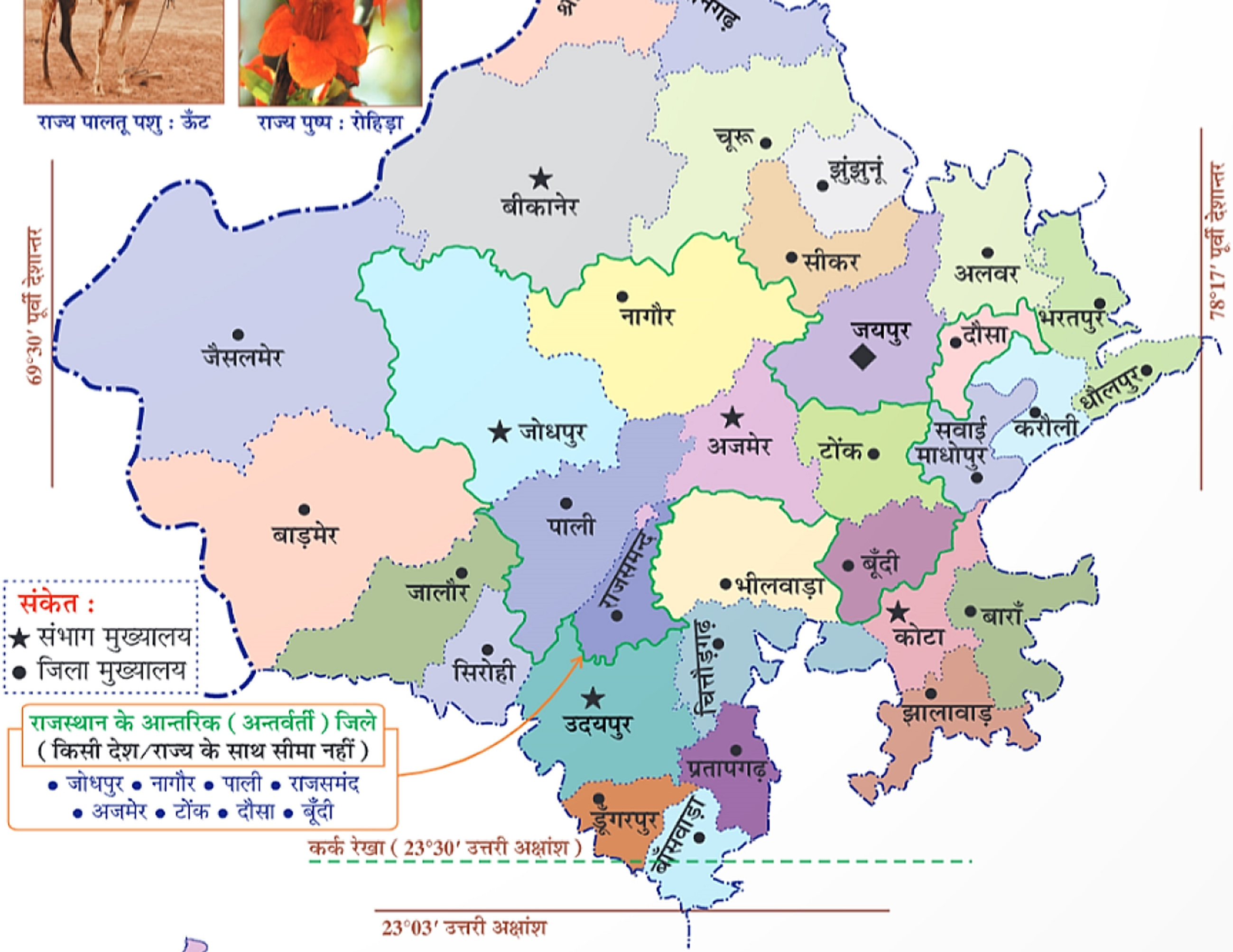

विखण्डित जिले

राज्य वृक्ष : खेजड़ी

राज्य वन्य पशु : चिंकारा हिरण

3. राजस्थान : अवस्थिति, विस्तार एवं सीमाएँ

- क्षेत्रफल की दृष्टि से देश के सबसे बड़े राज्य राजस्थान का कुल क्षेत्रफल 3,42,239.74 वर्ग कि.मी. (देश का 10.41%) है। राजस्थान के पश्चात् मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र एवं उत्तर प्रदेश भारत के वृहद्तम राज्य हैं।
- राजस्थान की पश्चिम से पूर्व लम्बाई 869 कि.मी. एवं उत्तर से दक्षिण चौड़ाई 826 कि.मी. है।
- राजस्थान का उत्तरतम गाँव कोणा (श्रीगंगानगर तहसील, श्रीगंगानगर) व दक्षिणतम गाँव बोरकुण्ड छोटा (कुशलगढ़ तहसील, बाँसवाड़ा) तथा पश्चिमतम गाँव कटरा (सम तहसील, जैसलमेर) व पूर्वतम गाँव जगमोहन का पुरा, सिलावट (राजाखेड़ा तहसील, धौलपुर) है।
- राजस्थान का अक्षांशीय एवं देशान्तरीय विस्तार—
  - 23°03' उत्तरी अक्षांश से 30°12' उत्तरी अक्षांश के मध्य (विस्तार-7°09')।
  - 69°30' पूर्वी देशान्तर से 78°17' पूर्वी देशान्तर के मध्य (विस्तार-8°47')।
- कर्क रेखा (23½° उत्तरी अक्षांश) राजस्थान के दो दक्षिणतम जिलों बाँसवाड़ा (सर्वाधिक विस्तार) व डूँगरपुर से होकर गुजरती है। राज्य का श्रीगंगानगर जिला कर्क रेखा से अधिकतम दूरी पर होने के कारण, इस जिले में सूर्य की किरणें सबसे तिरछी पड़ती हैं। कर्क रेखा से सर्वाधिक निकट होने के कारण राज्य के बाँसवाड़ा जिले में सूर्य की किरणें सीधी पड़ती हैं।
- राज्य में सबसे पहले सूर्योदय एवं सूर्यास्त धौलपुर जिले में तथा सबसे अंत में सूर्योदय एवं सूर्यास्त जैसलमेर जिले में होता है। देशान्तरीय विस्तार अधिक के कारण राज्य के पूर्वी एवं पश्चिमी छोर के स्थानीय समय में 35 मिनट 08 सेकण्ड का अंतर होता है।
- राज्य के 25 जिले ऐसे हैं जिनकी सीमाएँ अन्तरराष्ट्रीय व अन्तरराज्यीय सीमा को स्पर्श करती हैं जबकि 8 जिले ऐसे हैं जिनकी सीमा न तो अन्तरराष्ट्रीय व न अन्तरराज्यीय सीमा को स्पर्श करती है। ये 8 आन्तरिक जिले हैं—पाली, राजसमंद, जोधपुर, नागौर, दौसा, अजमेर, बूँदी एवं टोंक।
- राज्य में पाली जिले की सीमा सर्वाधिक (आठ) जिलों—जालोर, सिरोही, उदयपुर, राजसमंद, अजमेर, नागौर, जोधपुर एवं बाड़मेर से लगती है।
- राज्य के 23 जिले ऐसे हैं जिनकी सीमाएँ राज्य की अन्तरराज्यीय सीमा को स्पर्श करती हैं, इनमें से दो जिलों की सीमाएँ अन्तरराष्ट्रीय व अन्तरराज्यीय दोनों सीमाओं को स्पर्श करती हैं। ये जिले हैं—श्रीगंगानगर (पाकिस्तान व पंजाब) व बाड़मेर (पाकिस्तान व गुजरात)।
- राजस्थान का कुल स्थलीय घेरा 5920 कि.मी. है जिसमें से 1070 कि.मी. लम्बी अन्तरराष्ट्रीय सीमा (रेडक्लिफ रेखा) पाकिस्तान के साथ लगती है, जो हिन्दुमलकोट (श्रीगंगानगर) से प्रारम्भ होकर भलगाँव, शाहगढ़ (सेड़वा तहसील, बाड़मेर) तक है। यह भारत के किसी राज्य की पाकिस्तान के साथ लगने वाली सबसे लम्बी सीमा रेखा है (जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख केन्द्र शासित प्रदेशों के गठन 31 अक्टूबर, 2019 के पश्चात् की स्थिति)।
- भारत व पाकिस्तान के मध्य अन्तरराष्ट्रीय सीमा को रेडक्लिफ रेखा (17 अगस्त, 1947 को निर्धारित) के नाम से जाना जाता है। यह सीमा रेखा भारत के तीन राज्यों एवं दो केन्द्र शासित प्रदेशों को स्पर्श करती है—जम्मू कश्मीर, लद्दाख (1216 कि.मी.), राजस्थान (1070 कि.मी.), पंजाब (514 कि.मी.) एवं गुजरात (510 कि.मी.)।
- पाक सीमा से लगते राज्य के चार जिले जैसलमेर (464 कि.मी.), बाड़मेर (228 कि.मी.), श्रीगंगानगर (210 कि.मी.) व बीकानेर (168 कि.मी.) है, जबकि पाकिस्तान की ओर से पंजाब प्रांत के बहावलनगर, बहावलपुर एवं रहीमयार खान जिले तथा सिंध प्रांत के घोटकी, सुक्कर, खैरपुर, संघर, उमरकोट एवं थारपारकर (मीठी) कुल 9 जिले राजस्थान के सीमावर्ती हैं। सीमावर्ती जिलों में पाकिस्तान सीमा के सबसे निकट का जिला मुख्यालय श्रीगंगानगर एवं सबसे दूर स्थित जिला मुख्यालय बीकानेर है।
- राज्य की सीमा पाँच राज्यों—पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश एवं गुजरात से लगती है। इनमें से सबसे अधिक लम्बी सीमा मध्यप्रदेश (1600 कि.मी.) व सबसे कम लम्बी सीमा पंजाब राज्य (89 कि.मी.) से लगती है।
- राजस्थान में सबसे कम लम्बी अंतरराष्ट्रीय सीमा बीकानेर जिले की है, जो पाकिस्तान से लगती है एवं सबसे कम लम्बी अन्तरराज्यीय सीमा बाड़मेर की है, जो गुजरात राज्य से लगती है।

राजस्थान के सीमावर्ती राज्य एवं सीमाएँ

सीमावर्ती राज्य	सीमावर्ती राज्य की सीमा पर स्थित राजस्थान के जिले	राजस्थान की सीमा पर स्थित सीमावर्ती राज्य के जिले
पंजाब	श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ (दो)	फाजिल्का, मुक्तसर (दो)
हरियाणा	हनुमानगढ़, चूरू, झुँझुनूँ, सीकर, जयपुर, अलवर, भरतपुर (सात)	सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, महेन्द्रगढ़, रेवाड़ी एवं मेवात (सात)
उत्तर प्रदेश	भरतपुर, धौलपुर (दो)	मथुरा, आगरा (दो)
मध्य प्रदेश	धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, कोटा, बाराँ, झालावाड़, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, प्रतापगढ़, बाँसवाड़ा (दस)	मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, राजगढ़, आगर मालवा, मंदसौर, नीमच, रतलाम एवं झाबुआ (दस)
गुजरात	बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, उदयपुर, सिरोही, जालोर, बाड़मेर (छः)	दाहोद, महीसागर, अरवल्ली, साबरकांठा, बनासकांठा, कच्छ (छः)